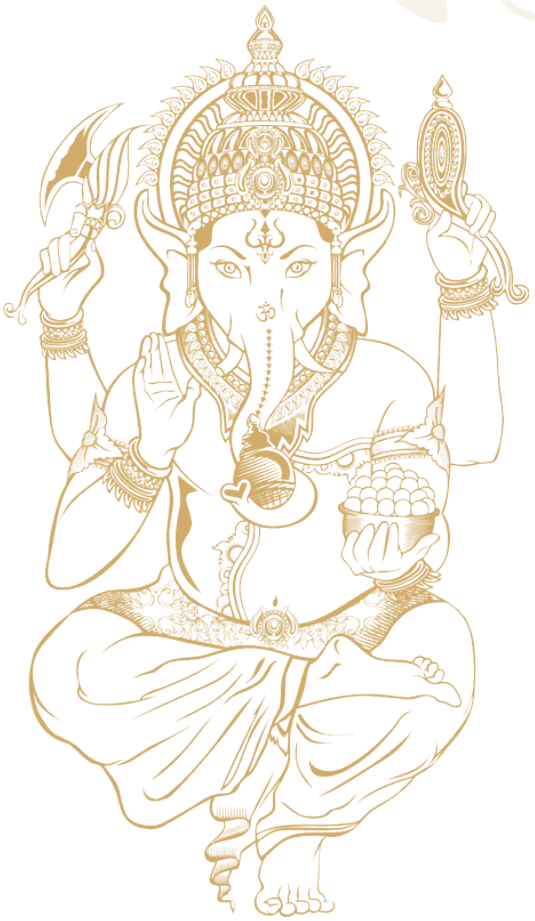

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/07/1995	जन्म तिथि	20/01/1998
शनि-रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 03:22:00	जन्म समय	14:35:00 घंटे
घटी 54:48:20	जन्म समय(घटी)	18:21:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Karnal
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:39	सूर्योदय	07:17:22
19:22:54	सूर्यास्त	17:48:58
23:47:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 1वर्ष 1मा 29दि	15:13:24	वृष	लग्न	वृष	23:55:35	मंगल 2वर्ष 8मा 24दि
सूर्य	15:47:40	मिथु	सूर्य	मक	06:16:10	गुरु
31/08/2023	29:05:10	कर्क	चंद्र	तुला	01:27:34	15/10/2018
31/08/2029	25:04:20	सिंह	मंगल	कुंभ	02:12:53	15/10/2034
सूर्य 19/12/2023	24:07:26	वृष	बुध	धनु	16:25:38	गुरु 02/12/2020
चन्द्र 18/06/2024	13:13:42	वृश्चि व	गुरु	कुंभ	02:39:35	शनि 16/06/2023
मंगल 24/10/2024	02:05:19	मिथु	शुक्र व	धनु	29:55:55	बुध 21/09/2025
राहु 18/09/2025	00:56:20	मीन	शनि	मीन	20:48:04	केतु 27/08/2026
गुरु 07/07/2026	09:11:45	तुला व	राहु	सिंह	17:30:06	शुक्र 27/04/2029
शनि 19/06/2027	09:11:45	मेष व	केतु	कुंभ	17:30:06	सूर्य 14/02/2030
बुध 24/04/2028	05:28:18	मक व	हर्ष	मक	14:22:53	चन्द्र 16/06/2031
केतु 30/08/2028	00:46:24	मक व	नेप	मक	05:50:24	मंगल 22/05/2032
शुक्र 31/08/2029	04:23:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:31:58	राहु 15/10/2034

लग्न-चलित

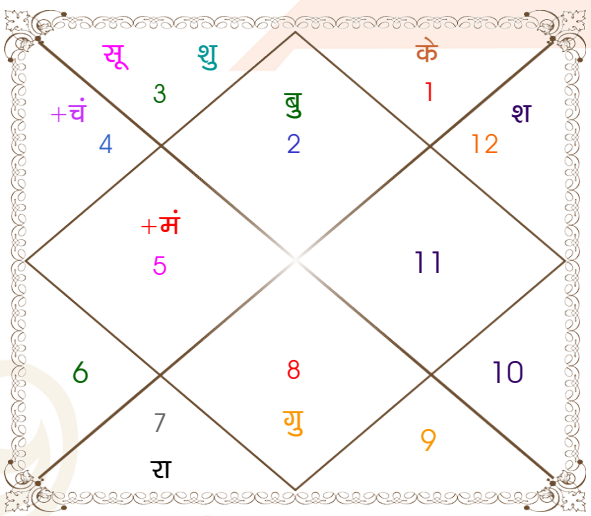

लग्न-चलित

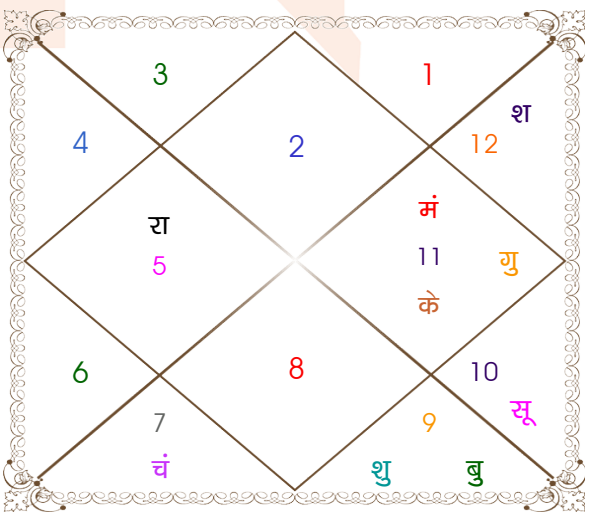

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।